INDIA'S LARGEST CONTAINER PORT
जनेप प्राधिकरण JNPA

हरित पहलों के क्रियान्वयन के पश्चात जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरणमें वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार

मुंबई, 16 **जनवरी** 2026: भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन, जनेप प्राधिकरणने अपने परिचालन क्षेत्रों में परिवेशी वायु गुणवत्ता में निरंतर सुधार दर्ज किए जाने की जानकारी दी है। हाल के वायु गुणवत्ता सूचकांकआंकड़ों की तुलना से सकारात्मक प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। यह संधारणीय सुधार जनेप प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए योजनाबद्ध पर्यावरणीय उपायों एवं सक्रिय निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

अक्टूबर से दिसंबर के दौरान PM_{10} स्तरों में पिछले वर्ष की तुलना में निरंतर सुधार देखा गया है। विशेष रूप से नवंबर और दिसंबर महीनों में PM_{10} में क्रमशः लगभग 33 प्रतिशत एवं 29 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई, जो शीतकाल के दौरान धूलजनित प्रदूषण में पर्याप्त गिरावट को दर्शाती है।

$PM_{2.5}$ स्तरों में मिश्रित प्रवृत्ति देखी गई, हालांकि नवंबर माह में इसमें लगभग 25 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जिससे समग्र वायु गुणवत्ता में सुधार परिलक्षित होता है। कुल मिलाकर, आंकड़े यह संकेत देते हैं कि इस अवधि में बड़े कणों से होने वाला प्रदूषण प्रभावी रूप से नियंत्रित हुआ है।

यह सुधार अक्टूबर 2025 में पत्तन के प्रमुख परिचालन क्षेत्रों में यांत्रिक सड़क धूल सफाई वाहनों एवं धूल दमन मशीनों की तैनाती के पश्चात दर्ज किया गया है। ये उपाय जनेप प्राधिकरणकी समग्र पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली तथा हरित पत्तन रणनीति का अभिन्न अंग हैं।

धूल नियंत्रण से संबंधित पहलें पत्तन की आंतरिक सड़कों, कंटेनर टर्मिनलों, पार्किंग क्षेत्रों तथा अन्य चिन्हित धूल-प्रदूषण संभावित स्थलों पर लागू की जा रही हैं। निरंतर कंटेनर ट्रक आवाजाही के कारण करल– दक्षिण गेट मार्ग को उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र चिन्हित करते हुए वहां विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वायु गुणवत्ता में सुधार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष, श्री गौरव दयाल, भा. प्र. से., ने कहा, "जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण का उद्देश्य केवल पत्तन संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना भी है। वायु गुणवत्ता में यह सुधार पत्तन पत्तन से जुड़नेवाले सड़कों पर धूल एवं उत्सर्जन को नियंत्रित करने हेतु किए गए निरंतर जमीनी प्रयासों का परिणाम है। भविष्य में जनेप प्राधिकरण जल गुणवत्ता निगरानी, उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छ परिचालन प्रक्रियाओं को और सुदृढ़ करेगा, जिससे पत्तन का विकास संतुलित, जिम्मेदार एवं समावेशी रूप से हो सके।"

वायु गुणवत्ता का वैज्ञानिक मूल्यांकन एवं इन पहलों के प्रभाव का आकलन करने हेतु, जनेप प्राधिकरण पत्तन क्षेत्र में चिन्हित स्थान पर सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली का संचालन कर रहा है। यह

प्रणाली PM_{10}, $PM_{2.5}$, प्रमुख गैसीय प्रदूषकों एवं मौसम संबंधी मापदंडों की रियल-टाइम निगरानी उपलब्ध कराती है, जिससे आंकड़ा-आधारित निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

जनेप प्राधिकरण ने पत्तन पारिस्थिति की तंत्र में वायु, जल एवं अन्य पर्यावरणीय मानकों की सुदृढ़ निगरानी सुनिश्चित करने हेतु एक अत्याधुनिक पर्यावरण प्रयोगशाला की स्थापना की है। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप, प्राधिकरण एनएबीएल मान्यता प्राप्त करने की दिशा में कार्यरत है, जिससे डेटा की विश्वसनीयता, पारदर्शिता एवं संधारणीय पत्तन संचालन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और मजबूत होती है।

ई-मोबिलिटी

जनेप प्राधिकरणने स्वच्छ गतिशीलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपने परिचालन में इलेक्ट्रिक एवं वैकल्पिक ईंधन आधारित वाहनों को शामिल करना प्रारंभ कर दिया है। वर्तमान में 10 इलेक्ट्रिक कार, 52 सीएनजी कार तथा कंटेनर यार्ड में 53 इलेक्ट्रिक ट्रक परिचालित किए जा रहे हैं, जिन्हें बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों का समर्थन प्राप्त है। इलेक्ट्रिक वाहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु दो बैटरी स्वैपिंग स्टेशन एवं छह चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं।

आगामी अवधि में, जनेप प्राधिकरण दिसंबर 2026 तक 150 से अधिक इलेक्ट्रिक ट्रकों की तैनाती की योजना बना रहा है।साथ ही, आधिकारिक वाहनों एवं बसों को चरणबद्ध रूप से इलेक्ट्रिक में परिवर्तित किया जा रहा है।व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सामान्य उपयोग हेतु बैटरी स्वैपिंग सुविधा के विकास के लिए तीन एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी तथा अतिरिक्त बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों के लिए अभिरुचि पत्रजारी किया जाएगा।

यातायात प्रबंधन हेतु केंद्रीकृत कमांड एवं कंट्रोल प्रणाली

पत्तन सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करने के उद्देश्य से जनेप प्राधिकरण एक केंद्रीकृत कमांड एवं कंट्रोल प्रणाली विकसित करने की योजना बना रहा है। यह प्रणाली खाली यार्ड, टर्मिनल सड़कों, एनएच-348, एनएच-348ए एवं अन्य प्रमुख पत्तन मार्गों पर स्थापित कैमरों के माध्यम से यातायात की रियल-टाइम निगरानी एवं नियंत्रण सुनिश्चित करेगी।
जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग प्रणाली के माध्यम से बेहतर समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया एवं कार्गो वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, 24×7 ऑन-ग्राउंड पेट्रोलिंग हेतु समर्पित टीम तैनात की जाएगी।

सीपीपी: ईंधन एवं उत्सर्जन में बचत

वित्त वर्ष 2025 (अब तक) के दौरान, केंद्रीकृत पार्किंग प्लाजा के माध्यम से ट्रक यातायात के सुव्यवस्थित संचालन एवं निष्क्रिय समय में कमी के परिणामस्वरूप उल्लेखनीय पर्यावरणीय एवं आर्थिक लाभ प्राप्त हुए हैं। इससे ₹12.9 करोड़ से अधिक की डीज़ल बचत हुई है तथा लगभग 36.5 लाख किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई है। यह पहल दर्शाती है कि कुशल यातायात योजना एवं परिचालन दक्षता संधारणीय पत्तन संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हरित ऊर्जा में अग्रणी जनेप प्राधिकरण अपने व्यापक हरित कार्यक्रम के माध्यम से हरित परिवर्तन को तीव्र गति से आगे बढ़ा रहा है। वर्ष 2025 में जनेप प्राधिकरण ने 60 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा हिस्सेदारी का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, जो एमआईवी 2030 लक्ष्य से लगभग पांच वर्ष पूर्व है।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है।26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जनेप प्राधिकरण पत्तन पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बी.पी.सी.एल आई.ओ.सी.एल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय पत्तनों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद विआक्षे भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे डुबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% हरित पत्तन होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +91 9920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

INDIA'S LARGEST CONTAINER PORT

जनेप प्राधिकरण JNPA

JNPA Marked Air Quality Improvement Following Implementation of Green Initiatives

Mumbai, January 16th, 2026: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA)- India's largest container port, has reported a continued improvement in ambient air quality across its operational areas. A comparison of recent Air Quality Index (AQI) data shows a positive trend, with the AQI improvement. This sustained reduction reflects the effectiveness of JNPA's systematic environmental interventions and proactive monitoring mechanisms.

From October to December, PM_{10} levels showed a consistent improvement compared to last year. in November and December the reduction was significantly roughly 33% and 29%, respectively—indicating a substantial drop in dust-related pollution during peak winter months.

$PM_{2.5}$ levels followed a mixed pattern. dropped by around 25% in November, showing clear improvement Overall, the data indicates that while larger particulate pollution reduced strongly over the season.

The improvement in air quality follows the deployment of mechanized road dust cleaning vehicles and dust suppression machines across key operational zones within the port deployed in October 2025. These measures form an integral part of JNPA's comprehensive environmental management system and its broader green port strategy.

Dust mitigation initiatives are being implemented across internal port roads, container terminals, parking areas and other identified dust-pollution hot spots. Special emphasis has been placed on the Karal–South Gate route, which has been identified as a high-priority stretch due to sustained container truck movement.

Expressing his views on the improved AQI, Shri Gaurav Dayal, IAS, Chairperson, JNPA, said, "The focus of Jawaharlal Nehru Port Authority is not limited to port operations alone, but also on the quality of life in surrounding areas. The improvement in air quality is the result of sustained on-ground measures to control

dust and emissions across the port and approach roads. Going forward, JNPA is expanding its environmental actions to include water quality monitoring, improved waste handling and cleaner operating practices, so that port growth takes place in a balanced and responsible manner, benefiting both the port workforce and neighbouring communities."

To scientifically assess air quality and measure the impact of these interventions, JNPA operates a Continuous Ambient Air Quality Monitoring System (CAAQMS) station at the designated Point of Concern within the port area. The station provides real-time monitoring of PM_{10}, $PM_{2.5}$, key gaseous pollutants and meteorological parameters, enabling data-driven decision-making.

JNPA has established a state-of-the-art in-house environmental laboratory to ensure robust monitoring of air, water and other ecological parameters across the port ecosystem. In line with global best practices, the Authority is actively working towards obtaining NABL accreditation, reinforcing its commitment to data integrity, transparency and sustainable port operations.

E-Mobility

JNPA has begun transitioning to cleaner mobility by introducing electric and alternative fuel vehicles across its operations. Currently, 10 electric cars and 52 CNG cars are in use, along with 53 electric trucks operating in container yards supported by battery swapping stations. The electric vehicle ecosystem is being strengthened with two battery swapping stations and six charging points already in place. Looking ahead, JNPA plans to deploy over 150 electric trucks by December 2026, while the conversion of its official cars and buses to electric is underway. To further support wider adoption, three acres of land will be allotted for developing a battery swapping facility for common use, and an Expression of Interest (EoI) will be issued to invite additional battery swapping stations.

Centralised Command & Control System for Traffic Management: To further reduce congestion on port roads, JNPA is planning to develop a Centralised Command & Control System for integrated traffic management. The

system will enable real-time monitoring and regulation of traffic movement through cameras installed across all major JNPA routes, including empty yards, terminal roads, NH-348, NH-348A, and other key port-bound roads. It will be supported by a GPS-based vehicle tracking system, allowing better coordination, faster response to congestion points, and smoother movement of cargo vehicles within and around the port area. In addition, 24/7 on-ground patrolling will be undertaken, with a dedicated team deployed to ensure continuous monitoring, quick intervention, and effective traffic enforcement across the port network.

CPP: Fuel & Emissions Savings

In FY 2025 (till date), the Centralised Parking Plaza has delivered measurable environmental and economic benefits by streamlining truck movement and reducing idling time within the port ecosystem. This has resulted in diesel savings of over ₹12.9 crore, along with a reduction of approximately 3.65 million kilograms of carbon emissions. The initiative demonstrates how improved traffic planning and operational efficiency can play a critical role in lowering fuel consumption, cutting emissions, and advancing more sustainable port operations.

JNPA is accelerating its green transition with a comprehensive programme that places the port significantly ahead of national targets. JNPA has achieved 60% renewable energy share in 2025, reaching this milestone nearly five years ahead of the MIV 2030 goal.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium and the additional liquid cargo terminal developed by JNPA will be operated by M/s JSW - JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, the 13th Major Port of India in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be a 100% green port since its inception.

Visit our website and social media to learn more:

JN Port: www.jnport.gov.in

LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

X: @JNPort

Instagram: @jnpaport

Facebook: @JNPA

For media enquiries, please contact:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in

हरित उपक्रमांमुळे जेएनपीएत वायुगुणवत्तेत लक्षणीय सुधारणा

मुंबई, 16 जानेवारी 2026: जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण जेएनपीए — भारतातील सर्वात मोठे कंटेनर बंदर — आपल्या कार्यक्षेत्रात सभोवतालच्या वायुगुणवत्तेत सातत्यपूर्ण सुधारणा नोंदवत आहे. अलीकडील वायुगुणवत्ता निर्देशांक (एक्यूआय) डेटाच्या तुलनेत सकारात्मक कल दिसून येत असून (एक्यूआय) मध्ये ठोस सुधारणा झाली आहे. ही सातत्यपूर्ण घट जेएनपीएद्वारे राबविण्यात आलेल्या पद्धतशीर पर्यावरणीय हस्तक्षेप, हरित उपक्रम आणि सक्रिय निरीक्षण यंत्रणांची प्रभावी अंमलबजावणी दर्शवते. शाश्वत विकासाच्या दिशेने जेएनपीएची बांधिलकी अधिक बळकट होत असून पर्यावरणपूरक पायाभूत सुविधा आणि स्वच्छ तंत्रज्ञानावर भर देत बंदराने हरित भविष्याकडे महत्त्वपूर्ण पावले उचलली आहेत.

ऑक्टोबर ते डिसेंबर या कालावधीत मागील वर्षाच्या तुलनेत पीएम$_{10}$ पातळीत सातत्यपूर्ण सुधारणा नोंदविण्यात आली. विशेषतः नोव्हेंबर आणि डिसेंबर महिन्यांत अनुक्रमे सुमारे 33 टक्के आणि 29 टक्के इतकी लक्षणीय घट झाली असून, हिवाळ्याच्या उच्च कालावधीत धूळजन्य प्रदूषणात मोठ्या प्रमाणावर घट झाल्याचे हे स्पष्टपणे दर्शवते.

पीएम$_{2.5}$ पातळीत मिश्र स्वरूपाचा कल दिसून आला. नोव्हेंबर महिन्यात पीएम$_{2.5}$ मध्ये सुमारे 25 टक्के घट नोंदविण्यात आली असून, ही स्पष्ट सुधारणा दर्शवते. एकूणच आकडेवारीनुसार, हंगामादरम्यान मोठ्या आकाराच्या कणांमुळे होणारे प्रदूषण लक्षणीय प्रमाणात कमी झाल्याचे स्पष्ट होते.

ऑक्टोबर २०२५ पासून बंदरातील प्रमुख कार्यक्षेत्रांमध्ये यांत्रिक रस्ते-धूळ स्वच्छता वाहने तसेच धूळ दमन यंत्रांची तैनाती केल्यानंतर वायुगुणवत्तेत ही सुधारणा दिसून येत आहे. हे उपाय जेएनपीए यांच्या सर्वसमावेशक पर्यावरण व्यवस्थापन प्रणालीचा तसेच व्यापक ग्रीन पोर्ट धोरणाचा अविभाज्य भाग आहेत.

बंदराच्या अंतर्गत रस्त्यांवर, कंटेनर टर्मिनल्समध्ये, पार्किंग क्षेत्रांमध्ये तसेच धूळ-प्रदूषणाची शक्यता असलेल्या इतर ओळखलेल्या ठिकाणी धूळ नियंत्रण (डस्ट मिटिगेशन) उपक्रम प्रभावीपणे राबविण्यात येत आहेत. सातत्याने कंटेनर वाहतुकीमुळे उच्च प्राधान्याचा मार्ग म्हणून ओळखल्या गेलेल्या करळ- दक्षिण गेट मार्गावर विशेष लक्ष केंद्रित करण्यात आले आहे. हे सर्व उपाय जेएनपीए यांच्या पर्यावरणपूरक आणि शाश्वत बंदर विकासाच्या दृष्टिकोनाशी सुसंगत आहेत.

वायुगुणवत्ता निर्देशांक मध्ये झालेल्या सुधारणेबाबत आपली प्रतिक्रिया व्यक्त करताना श्री गौरव दयाल, भा. प्र. से., अध्यक्ष, जेएनपीए, म्हणाले, ‘‘जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरणाचा भर केवळ बंदर संचालनापुरता मर्यादित नसून, परिसरातील जीवनमान उंचावण्यावरही आहे. वायुगुणवत्तेत झालेली सुधारणा ही बंदर परिसर आणि संपर्क रस्त्यांवर धूळ व उत्सर्जन नियंत्रणासाठी सातत्याने राबविण्यात आलेल्या प्रत्यक्ष उपाययोजनांचा परिणाम आहे. आगामी काळात जेएनपीए पाणी गुणवत्तेचे निरीक्षण, सुधारित कचरा

व्यवस्थापन तसेच अधिक स्वच्छ कार्यपद्धती यांचा समावेश करत आपल्या पर्यावरणीय उपक्रमांचा विस्तार करीत आहे, जेणेकरून बंदराचा विकास संतुलित, जबाबदार आणि शाश्वत पद्धतीने होऊन बंदरातील कर्मचारीवर्ग तसेच शेजारील समुदायांना समान लाभ मिळेल."

हवेच्या गुणवत्तेचे शास्त्रीयदृष्ट्या मूल्यांकन करण्यासाठी आणि या हस्तक्षेपांचा परिणाम मोजण्यासाठी, जेएनपीए बंदर क्षेत्रातील नियुक्त केलेल्या चिंतेच्या ठिकाणी सतत वातावरणीय हवा गुणवत्ता देखरेख प्रणाली स्टेशन चालवते. हे स्टेशन पीएम$_{10}$, पीएम$_{2.5}$, प्रमुख वायू प्रदूषक आणि हवामानशास्त्रीय मापदंडांचे रिअल-टाइम निरीक्षण प्रदान करते, ज्यामुळे डेटा-चालित निर्णय घेणे शक्य होते.

बंदर परिसंस्थेतील हवा, पाणी तसेच इतर पर्यावरणीय घटकांचे सखोल व प्रभावी निरीक्षण सुनिश्चित करण्यासाठी जेएनपीए ने अत्याधुनिक पर्यावरण प्रयोगशाळेची स्थापना केली आहे. जागतिक सर्वोत्तम पद्धतींशी सुसंगत राहून, प्राधिकरण एनएबीएल मान्यतेसाठी सक्रियपणे प्रयत्नशील असून, यामुळे माहितीची विश्वासार्हता, पारदर्शकता तसेच शाश्वत बंदर संचालनाबाबतची जेएनपीएची दृढ बांधिलकी अधिक अधोरेखित होते.

ई-मोबिलिटी

जेएनपीए स्वच्छ व शाश्वत मोबिलिटीकडे वाटचाल करत आपल्या कार्यप्रणालीत विद्युत व पर्यायी इंधनावर चालणाऱ्या वाहनांचा समावेश करीत आहे. सध्या १० विद्युत कार आणि ५२ सीएनजी कार वापरात असून, कंटेनर यार्डमध्ये बॅटरी स्वॅपिंग स्टेशनच्या सहाय्याने ५३ विद्युत ट्रक्स कार्यरत आहेत. विद्युत वाहन परिसंस्था अधिक सक्षम करण्यासाठी दोन बॅटरी स्वॅपिंग स्टेशन आणि सहा चार्जिंग पॉइंट्स आधीच कार्यान्वित करण्यात आले आहेत. पुढील टप्प्यात, डिसेंबर २०२६ पर्यंत १५० हून अधिक विद्युत ट्रक्स तैनात करण्याचे नियोजन असून, अधिकृत कार व बसचे विद्युत वाहनांमध्ये रूपांतराची प्रक्रिया सुरू आहे. विद्युत वाहनांचा व्यापक वापर प्रोत्साहित करण्यासाठी, सामायिक वापरासाठी बॅटरी स्वॅपिंग सुविधा विकसित करण्याकरिता तीन एकर जमीन उपलब्ध करून देण्यात येणार असून, अतिरिक्त बॅटरी स्वॅपिंग स्टेशनसाठी एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी करण्यात येणार आहे.

वाहतूक व्यवस्थापनासाठी केंद्रीकृत कमांड अँण्ड कंट्रोल प्रणाली

बंदर परिसरातील रस्त्यांवरील कोंडी आणखी कमी करण्यासाठी जेएनपीए एकात्मिक वाहतूक व्यवस्थापनासाठी केंद्रीकृत कमांड अँण्ड कंट्रोल प्रणाली विकसित करण्याची योजना आखत आहे. या प्रणालीद्वारे जेएनपीएच्या सर्व प्रमुख मार्गांवर — रिकामे यार्ड्स, टर्मिनल रस्ते, राष्ट्रीय महामार्ग 348, 348A तसेच इतर महत्त्वाच्या बंदराकडे जाणाऱ्या मार्गांवर — बसविण्यात येणाऱ्या कॅमेऱ्यांच्या माध्यमातून वाहतुकीचे रिअल-टाइम निरीक्षण व नियमन केले जाणार आहे. ही प्रणाली जिपीएस-आधारित वाहन ट्रॅकिंग यंत्रणेद्वारे समर्थित असून, यामुळे वाहतुकीतील समन्वय अधिक प्रभावी होईल, कोंडीच्या ठिकाणी जलद प्रतिसाद देता येईल आणि बंदर परिसरात व आजूबाजूला मालवाहतूक वाहनांची हालचाल अधिक सुलभ होईल. याशिवाय, 24x7 प्रत्यक्ष पातळीवरील गस्त

घालण्यात येणार असून, सतत निरीक्षण, त्वरित हस्तक्षेप आणि प्रभावी वाहतूक अंमलबजावणी सुनिश्चित करण्यासाठी स्वतंत्र पथकाची तैनाती करण्यात येणार आहे.

सीपीपी: इंधन व उत्सर्जन बचत

आर्थिक वर्ष 2025 मध्ये (आतापर्यंत), सेंट्रलाइज्ड पार्किंग प्लाझा (सीपीपी) मुळे बंदर परिसंस्थेत ट्रक वाहतुकीचे सुयोग्य नियोजन व वाहनांच्या निष्क्रिय (आयडलिंग) वेळेत घट झाल्याने ठोस पर्यावरणीय तसेच आर्थिक लाभ साध्य झाले आहेत. या उपक्रमामुळे ₹12.9 कोटींहून अधिक डिझेल बचत झाली असून, सुमारे 3.65 दशलक्ष किलोग्रॅम कार्बन उत्सर्जनात घट नोंदविण्यात आली आहे. हा उपक्रम प्रभावी वाहतूक नियोजन आणि कार्यक्षमता वाढविणाऱ्या उपाययोजनांमुळे इंधन वापर कमी करणे, उत्सर्जनात घट घडवणे आणि शाश्वत बंदर संचालनाला चालना देणे कसे शक्य होते, याचे उत्तम उदाहरण ठरतो. जेएनपीए अशा नाविन्यपूर्ण उपक्रमांद्वारे हरित व जबाबदार बंदर विकासाच्या दिशेने सातत्याने वाटचाल करत आहे.

जेएनपीए सर्वसमावेशक हरित संक्रमण कार्यक्रमाच्या माध्यमातून आपल्या शाश्वत वाटचालीला वेग देत असून, या क्षेत्रात राष्ट्रीय उद्दिष्टांपेक्षा लक्षणीयरीत्या पुढे आहे. 2025 मध्ये जेएनपीएने 60 टक्के अक्षय ऊर्जेचा वापर साध्य केला असून, एमआयव्ही 2030 चे उद्दिष्ट जवळपास पाच वर्षे आधीच पूर्ण करत महत्त्वपूर्ण टप्पा गाठला आहे.

जनेप प्राधिकरणाबद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ट १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in